भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **5049** जिसका उत्तर

गुरूवार, **25 मार्च**, 2021/4 चैत्र, 1943 (शक) को दिया जाना है

नई पोत विनिर्माण इकाइयां

†**5049. प्रो. सौगत राय:**

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का देश में नई पोत विनिर्माण इकाइयों की स्थापना करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत बड़े जलयानों के निर्माण के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करने का कोई प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क) और (ख): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के एक शिपयार्ड, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा इस समय अपने पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी नामत: 'हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (एचसीएसएल)' के माध्यम से 169.76 करोड़ रु. की अनुमानित परियोजना लागत से नज़ीरगंज, पश्चिम बंगाल में एक आधुनिक पोत निर्माण सुविधा की स्थापना की जा रही है। इस सुविधा के वित्तीय वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में प्रचालनरत हो जाने की उम्मीद है। एचसीएसएल का लक्ष्य अंतर्देशीय जलमार्गों के लिए विभिन्न प्रकार के जलयानों जैसे रो-रो जलयान, बल्क, तरल कार्गो के लिए नदी-समुद्र कार्गो जलयान, कंटेनर, यात्री जलयान, अन्य वॉटरक्राफ्ट्स का निर्माण करना है।

(ग) और (घ): कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा एक नया समुद्री अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान नामत: "विज्ञान सागर" स्थापित किया गया है, जिसे भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 14 फरवरी, 2021 को देश को समर्पित किया था। "विज्ञान सागर" सीएसएल कारखाना परिसर के बाहर स्थित एक नया कैंपस है, जो कि अत्याधुनिक कक्षाओं और आवास सुविधाओं से युक्त है। यह कैंपस नौवहन महानिदेशालय, भारत सरकार द्वारा अनुबद्ध मानकों के अनुरूप समुद्री अभियांत्रिकी प्रशिक्षण के क्षेत्र को ऊंचे स्तर पर ले जाने के साथ ही पोत निर्माण और पोत मरम्मत संबंधी कौशल पाठ्यक्रम भी चलाएगा ताकि देश की लगातार बढ़ती जा रही आवश्यकताओं को प्रत्युत्तर देने तथा समुद्री क्षेत्र में योगदान देने हेतु छात्रों को प्रशिक्षित किया जा सके।

*****